न्यूज़लॉन्ड्री व द न्यूज़ मिनिट के रिपोर्टरों की चौंकाने वाली खोजी पत्रकारिता

- इन रिपोर्ट्स की प्रकाशित खबर के अनुसार, मोदी सरकार ने ई.डी., सी.बी.आई. व आयकर विभाग की रेड कराकर तीस बड़ी-बड़ी कम्पनियों से 335 करोड़ रूपये वसूले।
- रिपोर्टर्स ने रेड के समय व कम्पनियों द्वारा भाजपा को दिये गये डोनेशन की सूची व समय का मिलान करके यह निष्कर्ष निकाला है।
- राहुल गांधी व कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने ट्विटर पर न्यूज़लॉन्ड्री व द न्यूज़ मिनिट के पत्रकार टीम के निष्कर्ष के आधार, बहुत कटाक्ष पूर्ण प्रतिक्रिया व्यक्त की। प्रतिक्रिया में कम्पनियों के नाम, उनके डोनेशन की राशि व रेड का पूरा विवरण भी लिखा है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 फरवरी। प्रधानमंत्री का यह दावा, कि, उनके शासनकाल में भ्रष्टाचार नहीं होने दिया जाएगा झूठा साबित हुआ है, भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचार के धन से भरे अपने खजाने को छिपाती रही है क्योंकि केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तन निदेशालय, सी.बी.आई. एवं आयकर विभाग जैसी केन्द्रीय एजेन्सियों को खुली छूट देने के बाद से बड़ी कम्पनियों ने भाजपा को करोड़ों रुपये का चंदा देना शुरु कर दिया है।

न्यूजलॉन्ड्री व द न्यूज मिनट (टी.एन.एम.) के रिपोर्टरों का एक दल ने कॉर्पोरेट कम्पनियों की एक सूची तैयार की है, जैसा कि इसे चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जारी किया गया है इसमें से यह खोजा गया है कि, ऐसी कम से कम 30 कंपनियां हैं जिन पर राजनीतिक दल को चंदा दान देने से पूर्व केन्द्र सरकार की एजेन्सियों ने रेड की थी। कुछ ऐसे मामले भी हैं जिनमें यदि किसी कंपनी ने एक वर्ष तक अगर चंदा नहीं दिया है तो उन कम्पनियों पर छापे मारे गए थे। कुछ अन्य प्रकार के मामले भी है, जिनमें राजनीतिक दल को चंदा देने के बावजूद भी छापे मारे गए ताकि अगले वर्ष वे पार्टी को अपने चन्दे की रकम बढ़ाकर दान दें।

उनकी रिपोर्टों से केन्द्रीय जांच एजेन्सियों के द्वारा छापा मारने का एक चौकाने वाला पैटर्न का पता चलता है और कंपनियों ने इसके चलते भारी राशि बतौर चंदा दी।

तमिलनाडु की एक कम्पनी जो एक विवादस्पद व्यवसायी की है, ने रेड के बाद भाजपा को न्यूनतम 63 करोड़ रु. दिए हैं। मुम्बई की एक कम्पनी जिसकी स्थापना जाने माने समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी ने स्थापित की थी, पर भी रेड की गई थी। कंपनी ने रेड के एक माह बाद ही भाजपा को 9 करोड़ रूपए दिये थे।

मुम्बई की एक इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी से एक आर.टी.आई. कार्यकर्ता की हत्या के संबंध में पूछताछ की गई थी। सी.बी.आई. ने 2014-15 में उस पर रेड की थी। उक्त कंपनी ने उसी वर्ष भाजपा को 14 करोड़ रूपए का चंदा दिया था। वर्ष 2014 से 2023 तक इस कंपनी ने भाजपा को अब तक 84 करोड़ रूपए का चंदा दिया है। हैदराबाद की एक हॉस्पीटल पेन पर दिसंबर 2020 में रेड की गई तो उसने भी भाजपा को 10 करोड़ रूपए दिए।

बंगलौर की फार्मा कंपनी ने भाजपा को 2015-16 में 21 लाख रूपए दिए थे। पर 2017-18 में यह राशि 43 गुना बढ़कर 9 करोड़ रूपए हो गई। वर्ष 2018-19 में इसमें भाजपा को 3 करोड़ रूपए और 2019-20 में 50 लाख रूपए दिए थे।

कोविड-19 के दौरान 2020 से 2022 के कंपनी, जो एक खास टैबलेट बनाती है, ने 350 करोड़ टैबलेट्स बेचीं और 400 करोड़ रूपए का राजस्व कमाया था।

2020-21 और 2021-22 में इसने भाजपा को कोई चंदा नहीं दिया। जुलाई 2022 में कंपनी की 40 लोकेशन्स पर आयकर विभाग ने रेड की, उस पर 300 करोड़ रूपए की कर चोरी का आरोप लगा साथ ही यह आरोप भी लगा कि अपनी दवा प्रिस्क्राइव करने के लिए इसने डॉक्टर्स को 1,000 करोड़ रूपए के तोहफे बांटे।

न्यूज़लॉंडरी डॉट कॉम ने भाजपा को डोनेशन देने वाली विभिन्न कंपनियों के नाम बताने के लिए जनता से अनुदान मांगा है।

किसान आंदोलनकारी सुप्रीम कोर्ट पहुँचे, लोहे की कीलें, बैरिकेडिंग हटाने की मांग की

नई दिल्ली, 23 फरवरी। किसान आंदोलन अपनी मांगों को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुँच गये हैं, उनकी याचिका में केंद्र और राज्य सरकारों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे किसानों के अधिकारों का हनन करने का भी आरोप लगाया है। याचिका में बैरिकेडिंग, लोहे की कीलें आदि की भी हटाने की मांग की गई है, जबकि किसान संगठनों से जुड़े सोशल मीडिया अकाउंट्स को भी अनब्लॉक करने की मांग की गई है। याचिका में दावा किया गया है कि किसान संगठनों द्वारा अपनी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी और स्वामीनाथन समिति की सिफारिशों को लागू करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन के आ ान के बाद केंद्र और कुछ राज्यों ने चेतावनी जारी की है और दिल्ली की सीमाओं का किलेबंदी कर दिया है।

इसके साथ ही याचिका में केंद्र व राज्य सरकारों को किसानों के साथ उचित और सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने का भी निर्देश देने की मांग की है।

मु.मंत्री शर्मा आज से पूर्वी राजस्थान के दौरे पर

- इस दो दिवसीय यात्रा में ई.आर.सी.पी. की सौगात के लिए कई जगहों पर मु.मंत्री का भव्य स्वागत किया जाएगा।

जयपुर, 23 फरवरी (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार और रविवार को पूर्वी राजस्थान के विभिन्न जिलों के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर एकीकृत ई.आर.सी.पी. की सौगात के लिए आमजन द्वारा अलवर, भरतपुर, डीग, धौलपुर, करौली, गंगापुरसिटी, दौसा, टोंक व जयपुर जिलों के विभिन्न स्थानों पर मुख्यमंत्री का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया जाएगा। शर्मा शनिवार को सबसे पहले अलवर के बड़ौदामेव व इसके पश्चात नगर, डीग व भरतपुर में ई.आर.सी.पी. आभार सभा को संबोधित करेंगे। इसी प्रकार मुख्यमंत्री रविवार को धौलपुर के बाड़ी, करौली, सवाईमाधोपुर के भाडौती मोड़ व टोंक के निवाई में आभार सभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान गंगापुरसिटी, लालसोट (दौसा) व चाकसू (जयपुर) सहित विभिन्न स्थानों पर आमजन के द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल (एकीकृत) ई.आर.सी. पी. योजना के त्रिपक्षीय एम.ओ.यू. होने के बाद आमजन में खुशी की लहर है। इस योजना के मूर्त रूप लेने पर लाभान्वित जिलों के 2.80 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही, पेयजल व औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए भी पानी मिल सकेगा।

तृणमूल ने कांग्रेस के साथ...

- आदिवासी महिलाओं द्वारा खुलकर ममता सरकार के खिलाफ आवाज़ उठाने से ममता बनर्जी भय व आतंक का जो आवरण बना रखा था उसमें दरार पड़ी है। इस भय से आतंकित ग्रामीण, आदिवासी जनता, ममता सरकार के खिलाफ मुंह नहीं खोल पाती थी। अतः अब भय का कवच टूटने से ममता बनर्जी को ''राजनीतिक'' नुकसान होगा।
- साथ ही, तृणमूल से समझौता करने से कांग्रेस को तृणमूल के अत्याचारों व यौन शोषण आदि के प्रचार में भागीदारी का नुकसान होगा।
- साथ ही कांग्रेस को, अब तक मार्क्सवादी ग्रुप के साथ बढ़ती निकटता को भी तिलांजलि देनी होगी। ममता बनर्जी के लिये मार्क्सवादी शत्रु नम्बर वन हैं।
- मजे की बात यह भी है कि, दोनों पार्टियों द्वारा सीट शेयरिंग समझौता करने से ''राजनीतिक'' नुकसान तो होगा ही, पर, यह समझौता प्रथम दिन से जमीन पर फेल ही होगा, क्योंकि कांग्रेस के आम कार्यकर्ता के लिये तृणमूल के कार्यकर्ता के साथ मिल कर बैठना असंभव है, क्योंकि ग्यारह साल से वह तृणमूल के वर्कर की दादागिरी से बुरी तरह से आतंकित रहा है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीट शेयरिंग समझौता ज़मीनी स्तर पर बहुत ही कड़वाहट भरा होगा, क्योंकि तृणमूल के गुण्डों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अपमानजनक पीड़ा पहुंचाई थी। कांग्रेस के ज़मीन से जुड़े कार्यकर्ता इस समझौते को बिल्कुल पसन्द नहीं करेंगे, क्योंकि पिछले ग्यारह वर्षों में वे ही सबसे ज्यादा प्रताड़ित हुए हैं।

इससे बंगाल में माकपा और कांग्रेस में पनपी आपसी समझ खत्म होने का खतरा है। तृणमूल की धमकियों और हिंसा को झेल रही कांग्रेस और माकपा के बीच हाल ही में नज़दीकियां बढ़ी थीं। ममता बनर्जी वामपंथियों के साथ शायद कोई मेलजोल नहीं रखेंगी क्योंकि वे उनके परम शत्रु हैं।

अब कांग्रेस और माकपा के बीच सीट शेयरिंग या चुनावी समायोजन की बातचीत आरंभ होने से पूर्व ही एक तरह से समाप्त हो गई है और इस बात से दोनों ही पार्टियां आहत होंगी।

तृणमूल के साथ चुनावी अण्डरस्टैंडिंग का शायद यह बहुत अच्छा मौका नहीं है तथा कांग्रेस इससे स्वयं को कटघरे में खड़ा पाएगी क्योंकि संदेशखाली प्रकरण को लेकर तृणमूल कांग्रेस की सर्वत्र भर्त्सना हो रही है। आरोप सार्वजनिक हो चुके हैं और तृणमूल पर उनका दाग लग चुका है।

इसमें कांग्रेस की कोई गलती नहीं है, लेकिन तृणमूल के साथ मेल-मिलाप करने के कारण वह भी इस कलंक की भागीदार हो जाएगी। तृणमूल के साथ असैद्धान्तिक सीट शेयरिंग समझौता करने के कारण संदेशखाली का सारा ठीकरा अब उसी के माथे फूटेगा, क्योंकि यहां अत्याचार करने वालों पर वहां की आम ग्रामीण महिलाओं से कई दिनों तक बलात्कार करने के आरोप हैं। गांव की महिलाएं सड़कों पर आकर तृणमूल के कार्यकर्त्ताओं की गिरफ्तारी की मांग कर रही है। पार्टी के उच्च स्तरों पर इन आरोपों को मानने से इंकार किया गया, लेकिन शिकायतों के जोर-शोर से होने के बाद प्रशासन को मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए बाध्य होना पड़ा।

अब ये आरोप लगाए जा रहे हैं कि मुख्य आरोपी शेख शाहजहां क्यों अब तक पुलिस की पकड़ से दूर है। इसे लेकर शिकायतें बढ़ रही हैं कि राज्य की मुख्यमंत्री एवं पुलिस मंत्री ममता बनर्जी शेख शाहजहां को संरक्षण प्रदान कर रही हैं।

इन कारकों ने ममता बनर्जी को बैकफूट पर ला दिया, जिससे बाध्य होकर उन्हें कांग्रेस से हाथ मिलाना पड़ा।

ममता बनर्जी का झुकना उनकी प्राथमिकताओं और कठिन परिस्थिति का स्पष्ट संकेत दी हैं, जिनके बारे में उनका मानना है कि कांग्रेस वहां से कभी नहीं जीत सकती। ममता ने खराब स्थिति का सबसे अच्छा फायदा उठाते हुए बंगाल के बाहर अपनी पार्टी की थोड़ी उपस्थिति दर्ज कराने का प्रयास किया है।

वह अपनी तृणमूल कांग्रेस का एक क्षेत्रीय पार्टी का दर्जा हटाने के लिए बेचैन हैं। तमाम प्रयासों के बावजूद वह पश्चिम बंगाल के बाहर अपनी पार्टी का जनाधार बढ़ाने में विफल रही हैं, लेकिन फिर भी प्रासंगिक बने रहने और राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण बनने की उनकी महत्वाकांक्षा सर्वोपरि है।

यह सबसे बुरा हुआ क्योंकि डर और भय का परदा भेदा जा चुका है। जनता तृणमूल के आगे खड़ा होने का साहस जुटा चुकी है। टी.वी. चैनल्स पर दिखाई गई इस सार्वजनिक उपेक्षा से तृणमूल का भय कमजोर पड़ चुका है।

किशनगढ़ में शुरू हुआ भारतीय किसान संघ का सम्मेलन

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 फरवरी। राजस्थान के किशनगढ़ में आर.एस.एस. से सम्बद्ध भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधियों का 3 दिवसीय सम्मेलन इस संकल्प के साथ शुरु हुआ है कि, इस संगठन की सम्पूर्ण भारतवर्ष में एक लाख ग्राम समितियां स्थापित की जाएंगी।

संघ के अध्यक्ष बद्रीनारायण चौधरी ने सम्मेलन में कहा कि, यह साल सदस्यता का साल है और संघ के चुनावों का है। सम्मेलन में प्रतिनिधियों ने संगठन को आगे बढ़ाने की शपथ ली और देश के लिए भलाई का कार्य करने की इस नारे के लिए प्रतिज्ञा की कि, ''संगठन गढ़े चलो, सुपथ पर बढ़े चलो।'' सम्मेलन में सहभागिता करने के लिए देश के 60 जिलों से लगभग

- तीन दिन चलने वाले इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देश भर के 60 जिलों से 1500 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

1500 प्रतिनिधि आए हैं। इनमें से वे बिहार, मध्य प्रदेश, केरल, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, महाराष्ट्र, हरियाणा, जम्मू व काश्मीर, पंजाब, दिल्ली, वर्धा, गोवा, तेलंगाना, गुजरात, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ व झारखंड प्रदेशों से हैं। राष्ट्रीय महासचिव मोहिनी मोहन मिश्रा ने कहा कि, सम्मेलन में भाग लेने वालों ने जो वेशभूषा पहने हुई थी उससे सम्मेलन में विभिन्न प्रदेशों की भिन्न-भिन्न संस्कृति की झलक देखने को मिल रही थी। सम्मेलन किसानों के मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी और कहा कि ओर सम्मेलन के दूसरे दिन शनिवार को एक संकल्प भी पारित किया जाएगा।

'भाजपा अपनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जनसभा भी करेंगे। फिर अगले दिन कृष्ण नगर भी जाएंगे, जहां उनके कई कार्यक्रम हैं।

इस सीट से तृणमूल नेता महुआ मोईत्रा सांसद थीं। प्रधानमंत्री 6 मार्च को फिर बंगाल आएंगे और बारासात में सभा करेंगे। यहां भी एक बड़ी सभा करने की योजना है। बारासात भी उसी जिले का भाग है जिसमें संदेशखाली शामिल है।

गत कुछ सप्ताहों से संदेशखाली में काफी समस्याएं है। प्रदेश भाजपा नेता बारासात रैली में 20,000 महिलाओं को शामिल करने की योजना बना रहे हैं।

मु.मंत्री भजन लाल ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संस्कृति का अवतरण यहीं से हुआ। अवध क्षेत्र में आने के कारण सीतापुर भगवान राम और माता सीता की धरती है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस की कार्यशैली पर जमकर प्रहार किये। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस पार्टी की पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक पूरे देश में तूती बोलती थी, फिर भी उनकी सरकार 70 साल गरीबी के नाम पर वोट मांगती रही। आज उसी पार्टी द्वारा क्षेत्रीय दलों से एक-एक सीट मांगी जा रही है। उन्होंने कहा कि, 2014 से पहले और 2014 के बाद के भारत का फर्क साफ दिखता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विज़न के अनुरूप भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमें देश के नागरिक होने का फर्ज निभाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न दायित्वों के साथ पार्टी के लिए उन्होंने सदैव समर्पण भाव रखते हुए कार्य किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से आव्हान किया और कहा कि, लोकसभा चुनाव में प्रत्येक बूथ तक पहुंचकर कार्यकर्ताओं को अपने दायित्वों का निर्वहन करना है और पुनः भाजपा की सरकार बनाकर इतिहास रचना है।

प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन का संचालन जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्लस्टर प्रभारी, उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता राज्य मंत्री जे.पी.एस. राठौर, आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा, प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला, सांसद राजेश वर्मा, सांसद अशोक रावत तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। सीतापुर में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जगह- जगह स्वागत किया।

13 मार्च के बाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद, चुनाव आयोग, चुनाव संचालन की सुरक्षा के लिए, केन्द्रीय सशक्त पुलिस बलों की जरुरत पर चर्चा करेगा।

चुनाव आयोग निष्पक्ष लोकसभा चुनावों, जो संभवत: मई से पहले होने वाले हैं, के लिए पहली बार ''आर्टिफिशल इंटेलीजेंस'' तकनीक का इस्तेमाल करने जा रहा है। आयोग में, आर्टिफिशल इंटेलीजेंस का एक समर्पित संभाग तैयार किया गया है जो, सोशल मीडिया तथा डिजिटल प्लैटफॉर्म पर झूठी सूचनाओं को रोकने एवं दूर करने का काम करेगा।

अधिकारिक सूत्रों ने कहा कि, चुनावों के दौरान सोशल मीडिया पर झूठे और भड़काऊ तथ्यों को तेजी से हटाया जाएगा। यदि कोई पार्टी या उम्मीदवार नियमों का बार-बार उल्लंघन करता है तो आयोग कठोर कार्यवाही करेगा, उदाहरण के लिए सोशल मीडिया प्लैटफार्म को कहकर उनके खाते निलंबित या बंद करवाना। अधिकारियों के अनुसार, आयोग तथ्यों की जांच, झूठी सूचनाओं को रोकने तथा संवेदनशील स्थानों में ज्यादा सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित करेगा।

चुनाव आयोग के डेटा दिखाते हैं कि आगामी लोकसभा चुनावों में 96.88 करोड़ व्यक्ति, वोट डालने के योग्य हैं। यह विश्व में मतदाताओं (किसी एक देस की) सबसे बड़ी संख्या है। मतदान निकाय के अनुसार एक करोड़ पिच्यासी लाख, 18-19 वर्षीय युवा पहली बार वोट डालने के लिए पंजीकृत हुए हैं।

केन्द्रीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महंगाई राहत में वृद्धि तय करती है।

महंगाई भत्ता सरकारी कर्मचारियों को तथा महंगाई राहत पेंशन भोगियों को दी जाती है, इसमें वर्ष में दो बार, जनवरी व जुलाई में वृद्धि की जाती है।

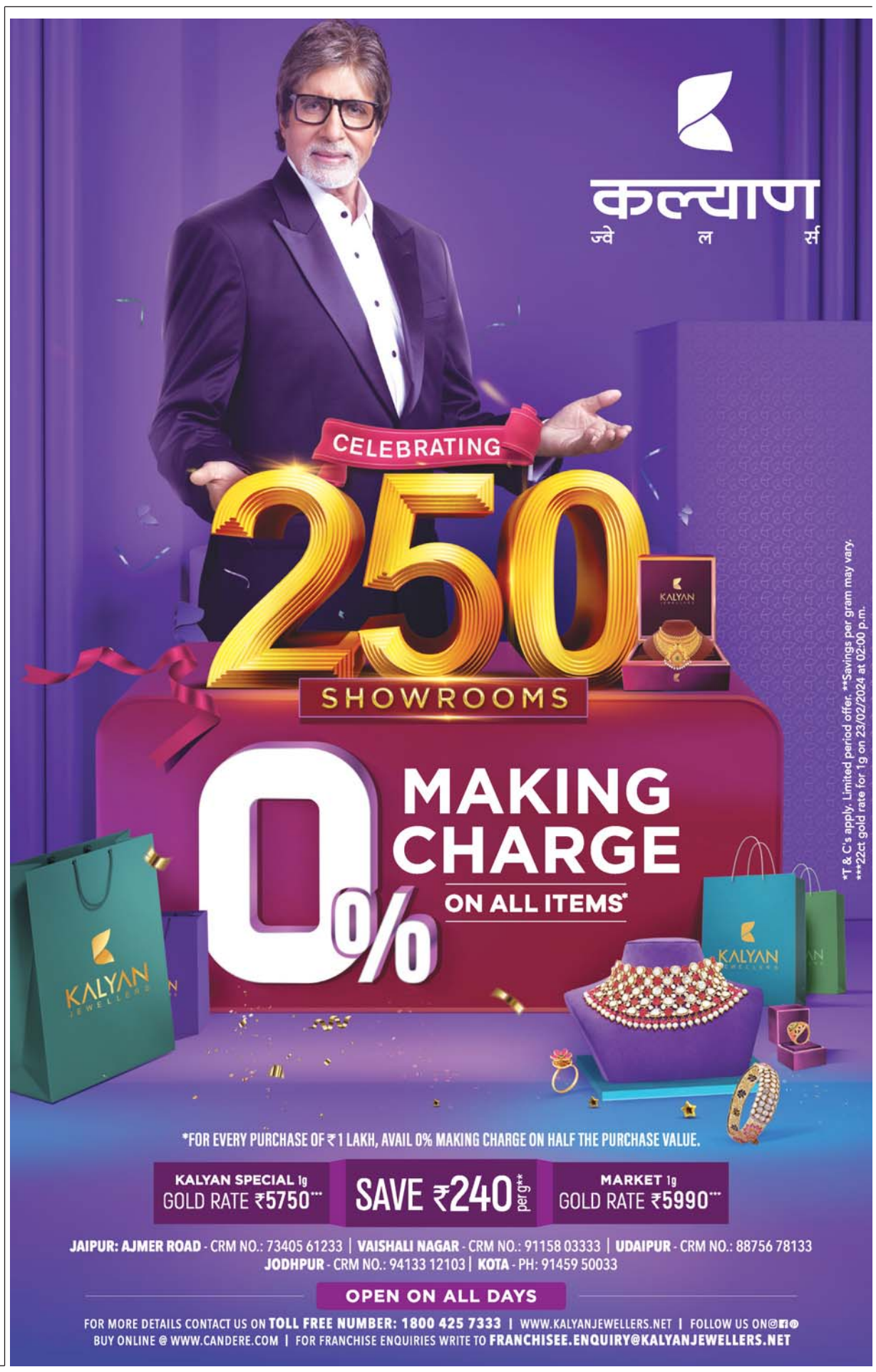

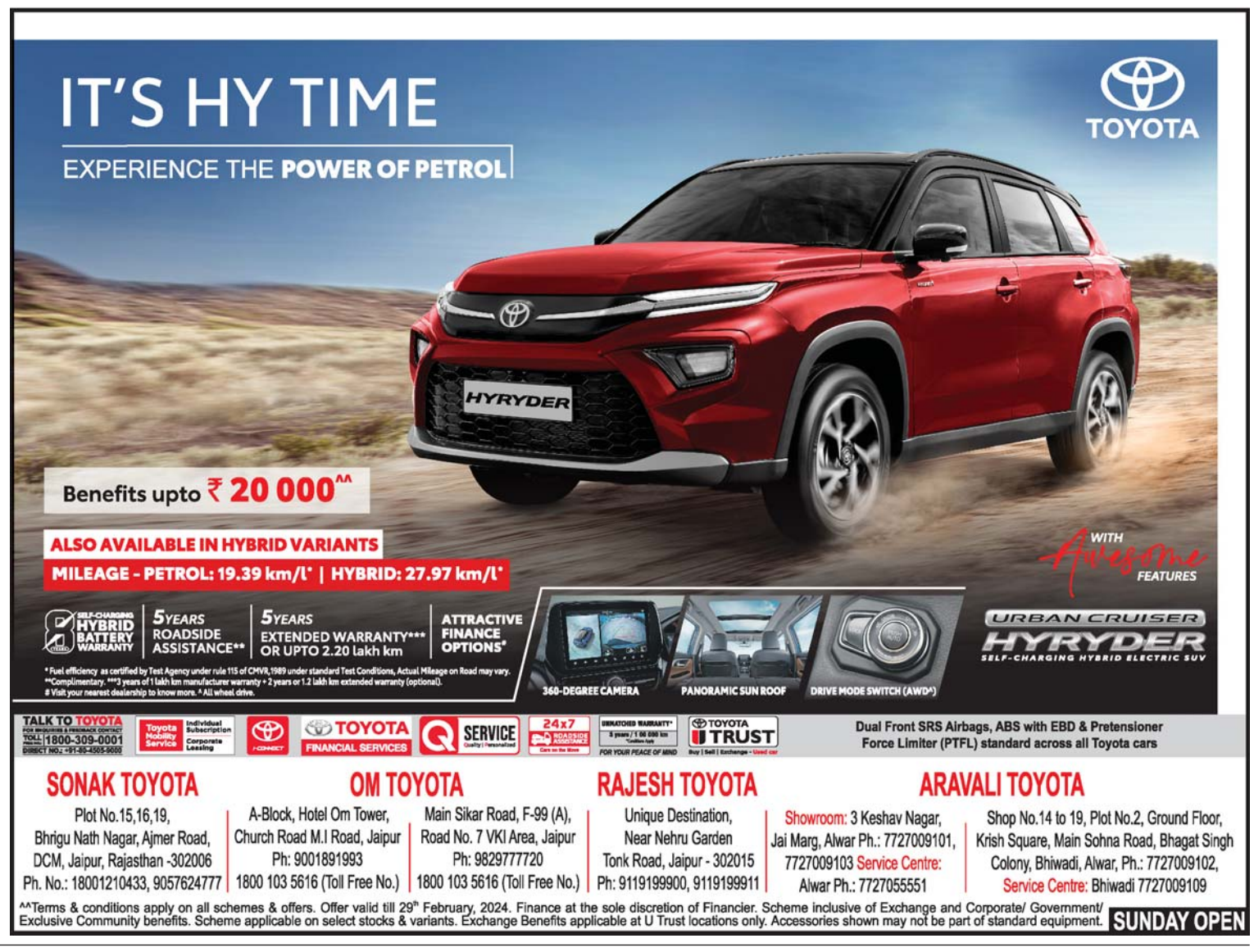

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908